Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 05 अगस्त, 2020

drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-05-august-2020

इब्राहिम अल्काज़ी

04 अगस्त, 2020 को रंगमंच के दिग्गज कलाकार और एक महान शिक्षक के रूप में प्रसिद्ध इब्राहिम अल्काज़ी (Ebrahim Alkazi) का 94 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। गौरतलब है कि इब्राहिम अल्काज़ी सबसे लंबे समय तक राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (National School of Drama-NSD) के निदेशक के पद पर रहे थे, इस दौरान उन्होंने गिरीश कर्नाड के 'तुगलक' और धर्मवीर भारती के 'अंध युग' जैसे सुप्रसिद्ध नाटकों का निर्माण किया और उन्हें प्रस्तुत किया। इब्राहिम अल्काज़ी ने रंगमंच के कलाकारों की एक पूरी पीढ़ी को अभिनय के गुण सिखाए, जिसमें नसीरुद्दीन शाह और ओम पुरी जैसे विश्व प्रसिद्ध अभिनेता भी शामिल हैं। इब्राहिम अल्काज़ी का जन्म 18 अक्तूबर, 1925 को महाराष्ट्र के पुणे शहर में हुआ था। भारत में रंगमंच के क्षेत्र में क्रांति का श्रेय इब्राहिम अलकाज़ी को ही दिया जाता है, उन्होंने एक रंगकर्मी के तौर अपने कैरियर की शुरुआत एक अंग्रेज़ी थिएटर समूह के साथ की थी, किंतु जल्द ही उन्होंने अपना स्वयं का एक थिएटर समूह बना लिया। 1940 और 1950 का दशक आते-आते वे मुंबई के सबसे प्रमुख रंगमंच कलाकारों में से एक बन गए। 37 वर्ष की उम्र में वर्ष 1962 में इब्राहिम अल्काज़ी दिल्ली आ गए और अगले 15 वर्षों (वर्ष 1962 से वर्ष 1977) तक राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (NSD) में निदेशक के रूप में कार्य किया, जो कि संस्थान के इतिहास में किसी निदेशक का अब तक का सबसे लंबा कार्यकाल है। 50 वर्ष की उम्र में उन्होंने NSD से इस्तीफा दे दिया और नई दिल्ली में एक आर्ट हैरिटेज गैलरी की शुरुआत की।

शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर

05 अगस्त, 2020 को कॉन्ग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर (Shivajirao Patil Nilangekar) का 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मराठावाड़ा क्षेत्र के लातूर के रहने वाले शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर का महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यकाल काफी संक्षिप्त रहा था और वे राज्य के इस महत्त्वपूर्ण पद पर केवल जून 1985 और मार्च 1986 तक कार्यरत थे, इसके पश्चात् उन्हें विवादास्पद परिस्थितियों में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। दरअसल वर्ष 1985 में उन पर आरोप लगाए गए थे कि उन्होंने अपनी पुत्री और एक अन्य संबंधी की सहायता के लिये राज्य की मेडिकल कॉलेज परीक्षाओं के परिणाम के साथ छेड़खानी की थी। इन्ही आरोपों के चलते उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। मराठवाडा के एक सहकारी नेता होने के साथ-साथ वे शिक्षा के क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे थे। गौरतलब है कि वर्ष 2008 में परिसीमन से पहले शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर ने वर्ष 1962 से वर्ष 1980 तक लगातार महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में निलंगा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीता था।

'एक मास्क-अनेक जिंदगी' अभियान

मध्यप्रदेश में नागरिकों में मास्क के प्रति जागरूकता पैदा करने और उन्हें मास्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक नगरीय निकाय में 1 से 15 अगस्त तक 'एक मास्क-अनेक ज़िंदगी' (Ek Mask-Anek Zindagi) जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में राज्य के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री ने कहा कि 'राज्य के नागरिक मास्क का उपयोग कर स्वयं को कोरोना संक्रमण से बचाने के साथ ही इसके संक्रमण के प्रसार को भी रोकने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।' उल्लेखनीय है कि मास्क कोरोना संक्रमण को रोकने का सबसे सरल एवं कारगर साधन है। इस दौरान प्रत्येक निकाय क्षेत्र में स्वयंसेवी संगठनों और नागरिकों से मास्क दान करने की अपील की जाएगी। साथ ही मास्क एकत्रित रखने के लिये **मास्क बैंक** भी बनाए जाएंगे। दान-दाताओं द्वारा इस बैंक में मास्क अथवा मास्क बनाने हेतु राशि दान की जा सकेगी। इस राशि से स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मास्क बनवाए जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना

नवीनतम आँकड़ों के अनुसार, भारत सरकार की राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन संबंधी प्रधानमंत्री जन-धन योजना (Mantri Jan Dhan Yojana-PMJDY) के तहत खोले गए बैंक खातों की संख्या 40 करोड़ के पार पहुँच गई है। सरकार द्वारा जारी हालिया आँकड़े बताते हैं कि इस योजना के तहत लाभार्थियों की कुल संख्या 40.05 करोड़ हो गई है और जन धन बैंक खातों में जमा कुल राशि 1.50 लाख करोड़ रुपए से भी अधिक है। गौरतलब है कि भारत सरकार द्वारा इस योजना की शुरुआत 28 अगस्त, 2014 को देश के आम नागरिकों को बैंकिंग सुविधाओं की सार्वभौमिक पहुँच प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। इस प्रकार योजना के छह वर्ष पूरे होने में भी अभी कुछ समय शेष है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना (PMJDY) वित्तीय समावेशन संबंधी एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसमें देश के सभी परिवारों के व्यापक वित्तीय समावेशन हेतु एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया गया है।